भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

GREATER KASHMIR SRINAGAR 30 OCTOBER 2025

Civil aviation-AAI team visits proposed airport site at Kishtwar

GK News Service
Jammu, Oct 29

- Team evaluates status of proposal for developing airport under UDAN scheme
- Move aims at enhancing regional connectivity, development in hilly, remote region
- Airport expected to boost region's economy, help local saffron cultivators, farmers reach wider markets

A five-member high level special team from the Ministry of Civil Aviation, Government of India and the Airports Authority of India (AAI) Wednesday conducted a ground assessment in Kishtwar to work on the proposal to develop an airport under UDAN scheme.

On return to Delhi, the team will submit its report to the higher authorities, following which, further road map will be charted out accordingly.

Sharing visuals of the team visiting the site in Kishtwar, the Union Minister of State in PMO Dr Jitendra Singh on the social media described the exercise as "a major step towards enhancing regional connectivity and development in this remote region."

Earlier, the Union Minister had shared the information about the visit of this special team in his post on 'X' on October 27.

"A 5-member high-level Special team deputed by the Ministry of Civil Aviation, Govt of India and Airport Authority of India (AAI) will reach Kishtwar tomorrow, on a two-day visit to evaluate the status of the proposal for developing airport at Kishtwar under UDAN scheme," he had posted.

For the initiative, the Union Minister had credited the Prime Minister Narendra Modi and his special focus on the progress of far-flung regions.

"As a result of PM Sh @ NarendraModi's special priority for far-flung regions, it is gratifying that each of our requests and initiatives for the development of the remote areas has always received a positive response," Dr Jitendra posted.

Earlier in August this year, his (Dr Jitendra's) efforts became instrumental in getting an airport for Kishtwar included in the UDAN (Ude Desh ka Aam Naagrik) scheme plan, aimed at enhancing air connectivity in the far-flung hill region.

On October 4, Dr Jitendra disclosed the proposed Kishtwar airport was included in the "UDAN" scheme.

At the meeting attended by Secretary, Ministry of Civil Aviation, Samir Kumar Sinha and the chairman of Airports Authority of India, Vipin Kumar, Dr Jitendra, while reviewing the status of the aviation projects for J&K, had called for fast-tracking the necessary approvals and technical work.

Earlier attempts, according to Dr Jitendra, to develop the airstrip in Kishtwar faced hurdles due to land beyond army possession that required acquisition, potentially costing crores of rupees. "Fresh feasibility and land assessment studies are now being initiated to find a workable solution," he said.

Referring to Kishtwar as an "aspirational agricultural district", Dr Jitendra had highlighted that an airport there would boost the region's economy, particularly the agricultural economy by helping local saffron cultivators and farmers reach wider markets.

The Minister had said that he would personally take up the matter of land requisition, wherever required, with the Chief Minister and Chief Secretary of Jammu and Kashmir.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani Airports in AIONOS agentic AI solutions deal

Ahmedabad: Adani Airport Holdings Limited (AAHL), a subsidiary of Adani Enterprises Limited, on Thursday announced a strategic deal with AIONOS, an InterGlobe Enterprises company and global leader in enterprise AI, to implement a multi-lingual omni-channel agentic AI solution that would enhance the conventional passenger help desk experience for passengers. The new solution would not just provide consistent engagement experience across all Adani airports but also connect with passengers to offer personalised and multilingual support. OUR BUREAU

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani Airports to launch AI-powered multilingual helpdesk for passengers

DEEPAK PATEL
New Delhi, 30 October

Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) on Thursday announced that it has partnered with AIONOS, a tech firm backed by InterGlobe Enterprises, to introduce an artificial intelligence (AI)-based helpdesk that will allow passengers to get instant, multilingual assistance across all Adani-run airports. The system will work through voice, chat, web and mobile, helping travellers 24x7 in several Indian languages.

The Adani Group currently operates seven airports — in Mumbai, Ahmedabad, Lucknow, Mangaluru, Jaipur, Guwahati, and Thiruvananthapuram — while its eighth, the Navi Mumbai International Airport, is expected to begin commercial operations soon.

The new AI system will function like a digital concierge, offering information on flight timings, boarding gates, baggage status, directions, and airport services. It will also help with practical needs such as booking a wheelchair, locating the nearest lounge, requesting a doctor on call, or even buying something at an airport shop and having it delivered home, said AIONOS cofounder C P Gurnani.

This technology, called IntelliMate, has been developed by AIONOS. It uses 'agentic AI', which means it can understand context and continue a conversation seamlessly across different platforms. For example, a passenger can start chatting on the website and later switch to voice or the mobile app without repeating information.

Arun Bansal, CEO of Adani Airports, said the initiative aligns with the group's goal of building 'smart, sustainable and future-ready' airports.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 31 OCTOBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट एकीकृत कनेक्टिविटी वाले देश के चुनिंदा एयरपोर्ट्स में होगा शुमार

■ जल्द होगा जेवर एयरपोर्ट का भव्य शुभारंभ, मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी की पूरी तैयारी

■ सड़क, रेल और बस, हर माध्यम से मिलेगी तेज, आरामदायक और सीधी पहुंच

ग्रेटर नोएडा, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के जेवर में बना नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही शुरू होने जा रहा है। एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ और हरियाणा जैसे क्षेत्रों से जोड़ने के लिए बहु-माध्यमीय परिवहन व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसका मकसद यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने का तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल साधन देना है।

हर दिशा से आसान रोड कनेक्टिविटी

एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेस वे से जुड़ा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे (बल्लभगढ़ लिंक) बनने से हरियाणा और पश्चिम भारत की दिशा से भी सुगमता बढ़ी है।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे से एयरपोर्ट को जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है, जिससे गाजियाबाद, मेरठ, पलवल और सोनीपत से भी सीधा रास्ता मिलेगा। वहीं, औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग बनकर तैयार हैं। जबकि, सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सेवा सड़क को भी यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय यातायात सुचारू रहे।

रेल और रैपिड रेल से भी पहुंचना होगा आसान

दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक रीजनल रैपिड रेल (आरआरटीसी) परियोजना का डीपीआर राज्य सरकार ने मंजूर कर दिया है। रेल मंत्रालय भी एयरपोर्ट को चोला-रुंधी रेल लाइन से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। साथ ही, दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में जेवर स्टेशन का प्रावधान किया गया है।

इलेक्ट्रिक बसों से अंतिम माइल कनेक्टिविटी

एयरपोर्ट को आसपास के शहरों और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए यूपीआरटीसी के साथ समझौता किया गया है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के साथ भी अंतरराज्यीय बस सेवा को सहमति बन चुकी है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण मिलकर 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाएं गे, जो यात्रियों को एयरपोर्ट तक पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा देंगी।

उत्तर भारत का नया एविएशन हब बनने को तैयार

इन सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) उत्तर भारत का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक विमानन केंद्र बनने जा रहा है। यह देश के उन चुनिंदा एयरपोर्ट्स में शामिल होगा, जहां सड़क, रेल, रैपिड रेल और बस-चारों माध्यमों से एकीकृत कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

कैब और कार रेंटल सेवाएं भी तैयार

एनआईए ब्रांडेड कैब (महिंद्रा लॉजिस्टिक्स) : एयरपोर्ट पर महिंद्रा लॉजिस्टिक्स द्वारा एनआईए ब्रांडेड कैब सेवा शुरू की जा रही है। यह सेवा यात्रियों को समय पर, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव देगी।

ऐप-आधारित टैक्सियां : उबर, रैपिडो और मेक माई ट्रिप जैसी कंपनियां ऑन-डिमांड कैब सेवा देंगी। ओला के साथ अनुबंध भी अंतिम चरण में है। यात्री मोबाइल ऐप से कैब बुक कर सकेंगे, किराया देख सकेंगे और लाइव ट्रैकिंग कर पाएंगे।

कार रेंटल सेवाएं : यात्रियों को खुद चलाने वाली या ड्राइवर सहित कारें किराए पर लेने की सुविधा भी मिलेगी। कई कंपनियां इस सेवा के लिए तैयार हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 31 OCTOBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट पर नहीं उड़ सका कैलिब्रेशन विमान, खराब मौसम बना बाधा

- शुक्रवार को ट्रायल की दोबारा तैयारी
- एयर नेविगेशन और संचार प्रणालियों की जांच जरूरी चरण

ग्रेटर नोएडा, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। खराब मौसम के कारण गुरुवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की कैलिब्रेशन उड़ानें नहीं हो सकीं। इन उड़ानों के जरिये एयर नेविगेशन और संचार प्रणालियों की सटीकता और विश्वसनीयता की जांच की जानी थी।

एयरपोर्ट को वाणिज्यिक संचालन की मंजूरी देने से पहले यह एक अनिवार्य तकनीकी प्रक्रिया है। कैलिब्रेशन उड़ानों के दौरान विशेषज्ञ विमानन अधिकारी यह सुनिश्चित करते हैं कि एयरपोर्ट पर सभी नेविगेशनल उपकरण, रनवे सिस्टम और हवाई यातायात नियंत्रण व्यवस्था सुचारू रूप से काम कर रही है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) के प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार को प्रतिकूल मौसम के चलते परीक्षण नहीं हो पाया। वहीं, नियाल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने कहा कि शुक्रवार को मौसम अनुकूल रहने पर ट्रायल उड़ानें संचालित की जाएंगी।

अधिकारियों का कहना है कि मौसम और तकनीकी परिस्थितियों के आधार पर यह कैलिब्रेशन प्रक्रिया कुछ दिनों तक भी जारी रह सकती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 31 OCTOBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट पर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी तेज

ग्रेटर नोएडा, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में गुरुवार को एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ अनुबंध करने का निर्णय लिया गया। साथ ही यमुना एक्सप्रेस वे पर तैनात एंबुलेंस सेवाओं को एयरपोर्ट से जोड़ने का सुझाव दिया गया, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग

- **सरकारी व निजी अस्पतालों से होगा अनुबंध**
- **यमुना एक्सप्रेसवे की एंबुलेंस को जोड़ा जाएगा एयरपोर्ट से**

कमेटी की इस बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्लमैन, एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया, एडीएम (एलए) बच्चू सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। फिलहाल एयरपोर्ट का अनुबंध केवल यथार्थ अस्पताल के साथ है। बैठक में तय किया गया कि जल्द ही अन्य निजी और सरकारी अस्पतालों से भी समझौते किए जाएंगे ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में अधिक विकल्प उपलब्ध हों।

नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने सुझाव दिया कि यमुना एक्सप्रेस वे पर हमेशा एंबुलेंस तैनात रहती हैं।

इन वाहनों को एयरपोर्ट से भी जोड़ा जा सकता है, जिससे इमरजेंसी की स्थिति में इनका उपयोग तुरंत किया जा सके। उन्होंने बताया कि बैठक में मेडिकल सुविधाओं को मजबूत करने सहित कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 31 OCTOBER 2025

अडानी एयरपोर्टस का एआईओएनओएस से करार

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सहयोगी कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने गुरुवार को इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की कंपनी एआईओएनओएस के साथ करार किया। इसका उद्देश्य अडानी ग्रुप के द्वारा संचालित किए जाने वाले सभी एयरपोर्ट्स पर पैसेंजर सपोर्ट एक्सपीरियंस को बूस्ट करना है। एएएचएल, देश की सबसे बड़ी एयरपोर्ट संचालक कंपनी है और पूरे देश में सात एयरपोर्ट्स का परिचालन करती है।

इस साझेदारी के तहत, एआईओएनओएस अपने एजेंटिक एआई प्लेटफॉर्म -इंटेलीमेट को यात्रियों के साथ वॉयस, चैट, वेब और मोबाइल के माध्यम से व्यक्तिगत और रीयल-टाइम बातचीत के लिए अडानी एयरपोर्ट नेटवर्क पर लागू करेगा। एआई सिस्टम 24×7 वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में कार्य करेगा, जो यात्रियों को उड़ान अपडेट, गेट विवरण, सामान ट्रैकिंग, एयरपोर्ट के दिशा-निर्देश और सेवा संबंधी जानकारी प्रदान करने में मदद करेगा। ये सभी अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगा। एआई-संचालित प्लेटफॉर्म यह सुनिश्चित करेगा कि यात्रियों को सभी टचपॉइंट्स पर लगातार सहायता मिले, जिससे ग्राहक संतुष्टि में सुधार होगा और सर्विस टाइम में कमी आएगी।

- एआई-पावर्ड पैसेंजर सपोर्ट सिस्टम लांच करेगी कंपनी
- एआई सिस्टम 24×7 वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में करेगा कार्य

यह कदम एएएचएल की व्यापक डिजिटल परिवर्तन रणनीति का हिस्सा है, जो यात्रियों के लिए सुविधा, आराम और पर्सनलाइजेशन को बढ़ाने पर केंद्रित है।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि हमारा विजन यात्रियों को केंद्र में रखते हुए, एआई डिजिटल फर्स्ट इनोवेशन के माध्यम से एयरपोर्ट के अनुभव को फिर से परिभाषित करना है। बंसल ने कहा कि एआईओएनओएस के साथ, हम अपने सभी एयरपोर्ट्स पर निर्बाध, व्यक्तिगत यात्राएं बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एवियो, अडानी वनऐप और एयरपोर्ट-इन-ए-बॉक्स जैसे अपने इन-हाउस प्लेटफॉर्म के साथ, हम एक कनेक्टेड और टिकाऊ एयरपोर्ट इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 31 OCTOBER 2025

देश के हवाई अड्डों पर एआई यात्रियों की सहायता करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने यात्रियों के अनुभव और हवाई अड्डा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ऐप और चैट समेत हवाई अड्डों से संबंधित अपने सभी चैनलों को 'एजेन्टिक एआई' से जोड़ने की घोषणा की है।

एजेन्टिक एआई यात्रियों को फ्लाइट की स्थिति, किस गेट पर कितनी भीड़ है और अन्य संबंधित जानकारियां मुहैया कराएगा। अदाणी एयरपोर्ट्स ने इसके लिए इंटरग्लोबल एंटरप्राइजेज की इकाई आयनोस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है।

आयनोस द्वारा तैयार समाधान के

■ अदाणी के प्रबंधन वाले हवाई अड्डों पर यात्रियों को मिलेगी यह सुविधा

माध्यम से 'अडानी' वन ऐप, हवाई अड्डा संचालन से जुड़ी एजेंसियों के लिए तैयार एविग्रो ऐप और अदाणी के एकीकृत टोल-फ्री वायस नंबर 1800-572-111-111 को एक साथ जोड़ा जाएगा। एक जगह की गई शिकायत या मांगी गई जानकारी अपने-आप उचित एजेंसी या अधिकारी से पास पहुंच जाएगी। यात्रियों को फ्लाइट की स्थिति समेत जरूरी जानकारियां मिल सकेंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 31 OCTOBER 2025

WITH ROBUST MULTI-MODAL CONNECTIVITY

UP: Noida International Airport set to be inaugurated soon

OUR CORRESPONDENT

LUCKNOW: Access to the upcoming Noida International Airport in Jewar is set to become smoother, with extensive road, rail, and bus connectivity being developed to link it with Delhi-NCR, Agra, Aligarh, Mathura, Meerut, and Haryana.

The multi-modal network aims to ensure fast, safe, and sustainable access for passengers, tourists, and industries.

The airport is directly connected to the Yamuna Expressway, while the Delhi–Mumbai Expressway (Ballabhgarh Link) will further improve access from Haryana and western India. Work is also progressing rapidly on linking the airport with the Eastern Peripheral Expressway, providing direct routes to Ghaziabad, Meerut, Palwal, and Sonipat. The North and East access roads for cargo and industrial traffic are nearly ready, and a 60-meter-wide service road in Sector 28 now connects to the Yamuna Expressway for local movement.

The multi-modal network aims to ensure fast, safe, and sustainable access for passengers, tourists, and industries

The state government has approved the DPR for the Delhi–Jewar RRTS corridor, while the Railway Ministry is preparing to connect the airport with the Chola–Rundhi rail line. A new Jewar station has also been included in the Delhi–Varanasi high-speed rail corridor.

In public transport, an agreement with UPSRTC will link the airport to nearby cities and metro networks. Interstate bus services with Uttarakhand, Haryana, Delhi, and Rajasthan will operate in coordination.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani Airports signs 'strategic deal' with AIONOS for agentic AI solutions

MPOST BUREAU

NEW DELHI: Adani Airport Holdings Limited (AAHL), a subsidiary of Adani Enterprises Limited, on Thursday announced a strategic deal with AIONOS, an Inter-Globe Enterprises company, to implement a multi-lingual omni-channel agentic AI solution to enhance the passenger help desk experience.

"The new solution would not just provide a consistent engagement experience across all channels across all Adani Airports, but also connect with passen-gers to offer personalised, multilingual support like never before," AAHL said in a statement.

Through this collaboration, AIONOS will bring its proprietary Agentic AI plat-form, IntelliMate", delivering domain-led conversational AI and automation, enabling Adani Airports to engage with customers and employees across multiple touchpoints, including voice, chat, web, and mobile, in their preferred lan-guages, it added.

The AI-driven solution will act as a "24x7 intelligent concierge", helping travellers access flight updates, gate information, baggage status, direc-tions, and airport services instantly, in multiple languages and regional dialects.

Through this unified orchestration across channels, the platform will ensure "consistent, context-aware experiences, significantly improving passen-ger satisfaction and reducing service turnaround times", AAHL said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 31 OCTOBER 2025

खराब मौसम से उड़ान टली

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर नोएडा

नोएडा एयरपोर्ट पर दो दिन होना है ट्रायल

खराब मौसम के चलते नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) गुरुवार को नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन उड़ानें नहीं चला पाया। इसके जरिये एयर नेविगेशन और संचार प्रणालियों का परीक्षण करना था। उम्मीद है कि यह ट्रायल आज किया जाए। नोएडा एयरपोर्ट शुरू करने से पहले गुरुवार व शुक्रवार को कैलिब्रेशन उड़ानें होनी थीं। किसी एयरपोर्ट को व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी देने से पहले पूरी की जाने वाली जांचों का हिस्सा है। कैलिब्रेशन उड़ान विमानन अधिकारियों की ओर से किया जाने वाला तकनीकी ऑपरेशन है। इससे सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट पर सभी नेविगेशन सहायक उपकरण और नियंत्रण प्रणालियां काम कर रही हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 31 OCTOBER 2025

Noida airport to start with daytime flights

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

New Delhi: The Noida International Airport (NIA) will begin with a "limited window of daytime operations" in the first few weeks and then gradually ramp up night flights too. The airport will start as a domestic airport and international flights will begin "in the first half of CY 2026," NIA CEO Christoph Schnellmann told TOI Thursday. The airport is expected to become operational before the end of this December.

New airports gradually ramp up flights to check systems. Mopa Airport, for instance, started with a handful of domestic flights on Jan 5, 2023, and scheduled international ones started from July 21, 2023. Navi Mumbai is expected to start with 60 daily flights (30 arrivals and as many departures) in the first month; double this number after 30 days and then reach the 240-300 mark in six months.

"We are planning the ramp up of operations keeping in mind safety of passengers & operations; reliability and flyer experience, with our launch carriers IndiGo, Air India Express & Akasa and the Airports Authority of India (which provides air traffic control) and the DGCA. For several weeks I expect to have daytime operations. The same will be extended as time progresses," Schnellmann said.

The airport, which opens with a 1.2 crore passengers annual capacity terminal, expects to handle 60 lakh flyers in its first year of operations. "We see a robust demand for air travel in India and the region. NIA will provide a platform for aerial connectivity to further increase in the region and expect to hits the 1.2-crore mark in a few years," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani Airport ties up with InterGlobe arm for AI solutions

New Delhi: Adani Airport Holdings (AAHL) has tied up with AIONOS, an InterGlobe Enterprises (IGE) company, to implement a multi-lingual omni-channel agentic AI solutions that would enhance conventional help desk experience for passengers. AAHL, asubsidiary of Adani Enterprises, operates airports at seven places — Mumbai, Ahmedabad, Lucknow, Mangaluru, Jaipur, Guwahati & Thiruvananthapuram — with Navi Mumbai to soon join this list. IGE is the holding company of IndiGo. The new solution, AAHL says, "would provide consistent engagement experience across all channels across all Adani Airports (and) connect with passengers to offer personalised, multilingual support.... enabling Adani Airports to engage with customers and employees across multiple touchpoints, including voice, chat, web, and mobile, in their preferred languages." TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 30 OCTOBER 2025

CISF takes over security of Navi Mumbai Airport

New Delhi/Mumbai: he Central Industrial Security Force (CISF) on Wednesday took charge of the security of the recently inaugurated Navi Mumbai International Airport.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated the first phase of the airport, also the country's largest greenfield airport built at a cost of Rs 19,650 crore, on Oct 8. The airport is slated to begin commercial operations in December.

"About 200 CISF personnel have been inducted during a formal ceremony held at the airport on Wednesday. The total CISF manpower sanction for this airport is 1,840 personnel and by December, when commercial operations begin, the force will have 900 personnel in position," a senior officer said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 31 OCTOBER 2025

Air India to induct six wide-body aircraft in 2026 to boost capacity

Rohit Vaid
New Delhi

To revive its long-haul capacity, Air India is set to induct six new wide-body aircraft in 2026, contingent on the availability of passenger jets, the airline's Managing Director and Chief Executive Campbell Wilson told *businessline*.

Accordingly, the airline will start receiving one wide-body aircraft per six weeks for the next 18 months. These aircraft will include Airbus A350-1000 as well as Boeing 787-9, out of the pending order for 513 aircraft.

Presently, Air India has received 57 jets from the order of 570 placed a few years ago. It has got six A350s till now.

The move, another airline executive said, aligns with the company's broader ambition to expand its global footprint and enhance its long-haul service offerings.

STRATEGIC SUPPORT

Notably, the upcoming induction is expected to support Air India's strategy to re-establish itself as a competitive international carrier, particularly on non-stop long-haul routes.

As per the executive, the initiative comes at a time when the airline is working to regain market share lost over the years due to limited capacity and ageing aircraft.

The airline had placed an additional order for 100 Airbus aircraft, which included 10 wide-body A350s and 90 narrow-body A320 family jets. This was in addition to the 470 aircraft ordered in 2023.

STRENGTHENING FLEET. The airline will start to receive one wide-body aircraft per six weeks for the next 18 months

Currently, Air India operates a fleet of 187 aircraft, including 127 narrow-body and 60 wide-body jets. However, slower aircraft production and ongoing supply chain issues, particularly related to engines and components, have delayed several of its operational plans.

According to a second airline executive, Air India is in the process of returning five Boeing 777-200LR aircraft to Delta Airlines.

FLEET OPTIMISATION

These jets, leased during a capacity crunch, are being phased out as part of a fleet optimisation strategy. Besides, the airline is working to restore older aircraft to operational status in a bid to enhance reliability and build resilience across its international network.

The airline started the retrofit of 27 of its narrowbody aircraft in September last year; it will be completed by the end of October.

Further, Air India has launched a retrofit programme for its Boeing 787 fleet, which began in July 2025. So far, two aircraft have gone to Victorville in the US for retrofit. These will be back by the end of the year, after which two aircraft will go for retrofit every month.

The B787-8s retrofit programme is scheduled to be completed by mid-2027. It will introduce brand-new interiors, featuring a three-class configuration with business class, premium economy and economy class seats.

Additionally, the programme includes the installation of brand-new seats in each cabin, advanced inflight entertainment systems, new carpeting, curtains, upholstery, lavatories and galleys.

Meanwhile, starting in early 2027, Air India will retrofit 13 of its legacy Boeing 777-300ER aircraft, aiming for completion by October 2028.

CABIN REDESIGN

The comprehensive strategy, the first executive said, includes major aircraft orders, cabin redesign and product upgrades aimed at significantly improving passenger experience.

"These wide-body aircraft will help Air India enter new global markets and enhance service levels on existing long-haul routes," the first executive said. "The airline aims to align fleet capability with commercial demand in the premium segment."

In addition, the timing of the induction is considered strategic.

The airline is currently undergoing a full-scale transformation, involving a rebranding exercise, an overhaul of in-flight products, and a revamp of its international route network.

Analysts say the move is crucial amid intensifying global and regional competition.

Low-cost carriers such as IndiGo are aggressively expanding their international reach while introducing premium offerings on domestic routes.

This move increases pressure on full-service legacy carriers to modernise and differentiate.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 31 OCTOBER 2025

एयर इंडिया एक्सप्रेस

एक-तिहाई ट्रैफिक एयर इंडिया लिंक के जरिये

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 30 अक्टूबर

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने आज कहा कि विमानन कंपनी के कुल यात्रियों में से लगभग एक तिहाई यात्री एयर इंडिया की उड़ानों से आते हैं। कम लागत वाली इस एयरलाइन के ट्रैफिक में यह बहुत बड़ी हिस्सेदारी है।

सिंह ने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की अपनी मूल एयरलाइन के साथ एकतरफा कोडशेयर साझेदारी है। इससे एयर इंडिया अपने बुकिंग चैनलों के माध्यम से एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों में सीट बेच सकती है। लेकिन इसके विपरीत एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए अभी एयर इंडिया की उड़ान में सीट बेचना संभव नहीं है क्योंकि यह प्रक्रिया अधिक जटिल है और सिस्टम का एकीकरण एक चुनौती बना हुआ है। एयर इंडिया के नेटवर्क से मिलने वाले ट्रैफिक के अनुपात के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, 'यह बड़ा है और तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए आज समूह स्तर पर हमारे कुल ट्रैफिक का लगभग एक-तिहाई कनेक्टिंग है। कम लागत वाली किसी एयरलाइन के लिए यह बहुत बड़ी संख्या है।'

उन्होंने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मुख्य रूप से भारत के महानगरों को मझोले और छोटे शहरों से जोड़ने वाले मार्गों पर केंद्रित है, और एयर इंडिया के रूट नेटवर्क के साथ इसका ओवरलैप बहुत कम है। सिंह ने नई दिल्ली में एविएशन इंडिया 2025 सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की क्षमता पिछले तीन सालों में सालाना लगभग 25 प्रतिशत बढ़ी है। एयरलाइन के बेड़े में वर्तमान में लगभग 110 विमान हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य अगले चार से पांच साल में अपने बेड़े को वर्तमान से दोगुना करना है।' एयरलाइन की लगभग 50 प्रतिशत योजनाएं घरेलू और शेष अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर हैं। सिंह ने बताया कि कंपनी अगले कुछ वर्षों में घरेलू मार्गों पर अपनी उपस्थिति 60 प्रतिशत तक बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एयर इंडिया एक्सप्रेस की कुल क्षमता का केवल लगभग चार प्रतिशत ही 'बड़ी नैरोबॉडी (ए321 विमान)' श्रेणी में आता है। सिंह ने कहा, 'हम चार-पांच साल में लगभग 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे। इससे हमें प्रति यात्री ईंधन की खपत में भारी लाभ होगा क्योंकि प्रति यात्री ईंधन की खपत कम हो जाएगी।'

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 31 OCTOBER 2025

Air India to induct six wide-body aircraft in 2026 to boost capacity

Rohit Vaid
New Delhi

To revive its long-haul capacity, Air India is set to induct six new wide-body aircraft in 2026, contingent on the availability of passenger jets, the airline's Managing Director and Chief Executive Campbell Wilson told *businessline*.

Accordingly, the airline will start receiving one wide-body aircraft per six weeks for the next 18 months. These aircraft will include Airbus A350-1000 as well as Boeing 787-9, out of the pending order for 513 aircraft.

Presently, Air India has received 57 jets from the order of 570 placed a few years ago. It has got six A350s till now.

The move, another airline executive said, aligns with the company's broader ambition to expand its global footprint and enhance its long-haul service offerings.

STRATEGIC SUPPORT

Notably, the upcoming induction is expected to support Air India's strategy to re-establish itself as a competitive international carrier, particularly on non-stop long-haul routes.

As per the executive, the initiative comes at a time when the airline is working to regain market share lost over the years due to limited capacity and ageing aircraft.

The airline had placed an additional order for 100 Airbus aircraft, which included 10 wide-body A350s and 90 narrow-body A320 family jets. This was in addition to the 470 aircraft ordered in 2023.

STRENGTHENING FLEET. The airline will start to receive one wide-body aircraft per six weeks for the next 18 months

Currently, Air India operates a fleet of 187 aircraft, including 127 narrow-body and 60 wide-body jets. However, slower aircraft production and ongoing supply chain issues, particularly related to engines and components, have delayed several of its operational plans.

According to a second airline executive, Air India is in the process of returning five Boeing 777-200LR aircraft to Delta Airlines.

FLEET OPTIMISATION

These jets, leased during a capacity crunch, are being phased out as part of a fleet optimisation strategy. Besides, the airline is working to restore older aircraft to operational status in a bid to enhance reliability and build resilience across its international network.

The airline started the retrofit of 27 of its narrowbody aircraft in September last year; it will be completed by the end of October.

Further, Air India has launched a retrofit programme for its Boeing 787 fleet, which began in July 2025. So far, two aircraft have gone to Victorville in the US for retrofit. These will be back by the end of the year, after which two aircraft will go for retrofit every month.

The B787-8s retrofit programme is scheduled to be completed by mid-2027. It will introduce brand-new interiors, featuring a three-class configuration with business class, premium economy and economy class seats.

Additionally, the programme includes the installation of brand-new seats in each cabin, advanced inflight entertainment systems, new carpeting, curtains, upholstery, lavatories and galleys.

Meanwhile, starting in early 2027, Air India will retrofit 13 of its legacy Boeing 777-300ER aircraft, aiming for completion by October 2028.

CABIN REDESIGN

The comprehensive strategy, the first executive said, includes major aircraft orders, cabin redesign and product upgrades aimed at significantly improving passenger experience.

"These wide-body aircraft will help Air India enter new global markets and enhance service levels on existing long-haul routes," the first executive said. "The airline aims to align fleet capability with commercial demand in the premium segment."

In addition, the timing of the induction is considered strategic.

The airline is currently undergoing a full-scale transformation, involving a rebranding exercise, an overhaul of in-flight products, and a revamp of its international route network.

Analysts say the move is crucial amid intensifying global and regional competition.

Low-cost carriers such as IndiGo are aggressively expanding their international reach while introducing premium offerings on domestic routes.

This move increases pressure on full-service legacy carriers to modernise and differentiate.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 31 OCTOBER 2025

इंडिगो बेंगलुरु से रियाद के लिए शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो बेंगलुरु से रियाद के लिए 16 नवंबर से उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने गुरुवार को बताया कि यह उड़ान सप्ताह में पांच दिन मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को रात 10:05 बजे बेंगलुरु से रवाना होगी। वापसी की उड़ान स्थानीय समय के अनुसार अगले दिन तड़के 2:20 बजे रियाद से रवाना होगी। इंडिगो के नेटवर्क में जेद्दा के बाद रियाद बेंगलुरु से सीधी उड़ान वाला सऊदी अरब का दूसरा शहर है। एयरलाइंस इस मार्ग पर ए320 विमान का परिचालन करेगी। इंडिगो के बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि सऊदी अरब की राजधानी और व्यापार एवं निवेश के केंद्र के रूप में रियाद इंडिगो के लिए महत्वपूर्ण है। यह इंडिगो की रियाद के लिए चौथी नॉन स्टॉप उड़ान होगी। दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद से रियाद के लिए वह पहले से सेवा दे रही है। इस नए रूट के लिए बुकिंग शुरू हो गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 31 OCTOBER 2025

विमान के वर्टिकल टेक-आफ और लैंडिंग की दिशा में आगे बढ़ा भारत

चेन्नई, आइएएनएस : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने स्वदेशी तकनीक से विमानों और ड्रोन को हेलीकाप्टर की तरह सीधे टेक-आफ और लैंडिंग (वीटीओएल) की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने स्वदेशी हाइब्रिड राकेट थ्रस्ट तकनीक का इस्तेमाल किया। आइआइटी की ये उपलब्धि इंटरनेशनल जर्नल आफ एरोनाटिकल एंड स्पेस साइंसेज में प्रकाशित हुई है।

इस उपलब्धि से दुर्गम और सीमांत इलाकों में विमान सेवाएं आगे बढ़ाई जा सकेंगी, जहां लंबे रनवे या बड़े हवाई अड्डे बनाना कठिन होता है। विमान हेलीकाप्टर से तेज और हवाई जहाजों से सस्ती सेवाएं दे सकेंगे। इसके अलावा चंद्रयान और मंगल मिशन जैसे अंतरिक्ष अभियानों में भी ये मददगार साबित होंगे, जहां लैंडिंग प्रक्रिया बेहद नाजुक होती है। इससे आपदा राहत और दुर्गम इलाकों में आपूर्तितंत्र विकसित करने में भी मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे भारत नेक्स्ट जेनरेशन एरियल सिस्टम की दिशा में आत्मनिर्भर भी बन सकेगा।

ऐसे किया गया प्रयोग: इस अत्याधुनिक प्रयोग में हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर को वर्चुअल सिमुलेशन से जोड़ा गया और इससे साफ्ट लैंडिंग के लिए जरूरी वेलासिटी हासिल की गई। इसके चलते एक मीटर प्रति सेकेंड से भी कम रफ्तार से विमान ने लैंडिंग की। गौरतलब है कि अमेरिका के एफ-35बी और वी-22 ओस्प्रे विमानों में इस वीटीओएल तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

इस शोध का एक अहम पहलू यह है कि टीम ने एक विशेष हाइब्रिड राकेट ईंधन विकसित किया

- मद्रास आइआइटी के शोधकर्ताओं ने स्वदेशी हाइब्रिड राकेट थ्रस्ट तकनीक का किया इस्तेमाल
- हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर से हासिल की गई 'साफ्ट लैंडिंग' के लिए आवश्यक गति
- दुर्गम इलाकों से लेकर अंतरिक्ष और सैन्य अभियानों में वर्टिकल लैंडिंग और टेक-आफ होगी आसान

है जिसे आक्सीडाइजर के रूप में केवल कंप्रेस्ड हवा की जरूरत होती है। इससे ऐसी प्रणालियों को हवाई वाहनों में जोड़ना आसान हो जाता है, खासकर उन स्थितियों में जहां कंप्रेस्ड एयर आसानी से उपलब्ध है। टीम ने इस प्रयोग से दिखाया कि हाइब्रिड राकेट मोटर, लिक्विड इंजनों की तुलना में न केवल अधिक सुरक्षित होते हैं, बल्कि इनका ढांचा भी अपेक्षाकृत सरल होता है। हाइब्रिड राकेट प्रणालियां हाल के वर्षों में लोकप्रिय हुई हैं क्योंकि ये ठोस और तरल राकेट इंजनों के गुणों को मिलाकर काम करती हैं और इन्हें थ्राटल किया जा सकता है, यानी इनके जरूरत के मुताबिक चालू या बंद किया जा सकता है।

गेमचेंजर साबित हो सकती है तकनीक: फिलहाल उपयोग में आने वाले वीटीओएल सिस्टम जटिल और उच्च रखरखाव वाले होते हैं। इसलिए आइआइटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर से संचालित एक प्लेटफार्म की अवधारणा प्रस्तुत की, जो विमानों और यूएवी के लिए एक प्रभावी प्रोपल्जन यूनिट के रूप में काम कर सके। आइआइटी मद्रास के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर पी.ए. रामकृष्ण ने बताया कि टीओएल तकनीक विमान को बिना रनवे के सीधा ऊपर उठने और नीचे उतरने की क्षमता प्रदान करती है। इससे दुर्गम और सीमांत इलाकों में भी हवाई पहुंच संभव हो सकेगी, जहां लंबे रनवे या बड़े हवाई अड्डे बनाना कठिन है। उन्होंने आगे कहा कि जब यह तकनीक व्यावसायिक उपयोग के टेक्नोलाजी रेडिनेस लेवलतक पहुंच जाएगी, तो नागरिक और सैन्य दोनों क्षेत्रों में गेम-चेंजर साबित होगी। बड़े हवाई अड्डे बनाने की जरूरत नहीं रहेगी।

लागत घटेगी, सटीकता बढ़ेगी : एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डाक्टर जोएल जार्ज मनथारा ने बताया कि टीम ने एक अभिनव हार्डवेयर-इन-द-लूप सिमुलेशन (एचआइएलएस) ढांचा तैयार किया है। यह ढांचा वास्तविक हार्डवेयर और वर्चुअल सिमुलेशन को जोड़ता है, जिससे जटिल प्रणालियों का विकास कम लागत और अधिक सटीकता से किया जा सकता है। आम तौर पर एचआइएलएस में साफ्टवेयर सिमुलेशन के साथ माइक्रोकंट्रोलर या सर्वो मोटर जैसे उपकरण जोड़े जाते हैं, लेकिन आइआइटी मद्रास की टीम ने वास्तविक लाइव-फायरिंग हाइब्रिड राकेट मोटर को सिमुलेशन लूप में शामिल किया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 31 OCTOBER 2025

DGCA to Roll Out Cabin Crew Training Guidelines

NEW DELHI Aviation watchdog DGCA plans to put in place a competency-based training and assessment framework for cabin crew to help improve training imparted to them, as per senior official. The competency based training and assessment framework was introduced for pilots in 2022.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

GREATER KASHMIR SRINAGAR 30 OCTOBER 2025

DGCA revises over 100 civil aviation regulations in 6 months: Official

Press Trust of India
New Delhi, Oct 29

Regulator DGCA has revised more than 100 civil aviation regulations in the last six months after discussions with the industry, its chief, Faiz Ahmed Kidwai, said on Wednesday as he emphasised that the country's aviation sector is on the right path.

At a conference in the national capital, he also said with the right policy, "we are on the right track."

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets, and domestic carriers have placed huge orders for aircraft, but the per capita travel is among the lowest. The country is expected to have around 3,000 commercial plants in the future.

"We are at the cusp of a huge growth... we have around 200 civil aviation regulations, and in the course of six months, we have revised almost 100 plus. "We have done with the industry," the Director General of the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) said.

He was participating in a panel discussion at the Aviation India and South Asia 2025 conference.

"We are on the right track... With the right kind of mindset, the ecosystem is coming into place. Now it is for the industry to take it forward," Kidwai said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 31 OCTOBER 2025

एयर इंडिया एक्सप्रेस अभी वृद्धि के चरण में

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी अभी वृद्धि एवं निवेश के चरण में है और अब भी नेटवर्क में बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एक लाभदायक व्यवसाय बनने जा रहा है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस अभी घाटे में चल रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 31 OCTOBER 2025

ईंधन असंतुलन के कारण बेंगलुरु लौटा हवाईजहाज

बेंगलुरु, एजेंसी। कोच्चि जा रहा अकासा एयरलाइंस का विमान बुधवार को ईंधन असंतुलन के कारण अपना रास्ता बदलकर बेंगलुरु हवाई अड्डे पर वापस आ गया।

अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि अकासा एयर की उड़ान क्यूपी 1361, जो बेंगलुरु से कोच्चि के लिए उड़ान भर रही थी ने वापस लौटने का निर्णय लिया और बेंगलुरु में सुरक्षित रूप से उतर गई। प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारे पायलटों को अत्यधिक सावधानी बरतने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है और हवाई जहाज को वापस मोड़ना एक मानक एहतियाती उपाय है। हम ऐसी किसी भी घटना से बचने के लिए प्रशिक्षण, अनुपालन और परिचालन सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 31 OCTOBER 2025

उपलब्धि | आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने किया अध्ययन, तकनीक में हाइब्रिड रॉकेट इंजन प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर विचार किया गया

हेलीकॉप्टर की तरह विमान भी बिना रनवे उड़ान भर सकेंगे

चेन्नई,एजेंसी। आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक विकसित करने में सफलता हासिल की है, जिससे हवाई जहाज या ड्रोन बिना लंबी पट्टी (रनवे) के सीधे ऊपर उड़ सकेंगे और धीरे-धीरे नीचे उतर सकेंगे। इसे वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) कहते हैं।

आईआईटी मद्रास की यह उपलब्धि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एरोनॉटिकल एंड स्पेस साइंसेज में प्रकाशित हुई है। इस तकनीक में हाइब्रिड रॉकेट इंजन प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर विचार किया गया है। ये इंजन न तो पूरी तरह तरल ईंधन वाले होते हैं, न ही पूरी तरह ठोस। बल्कि इन्हें दोनों के गुणों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। ये सुरक्षित हैं और इन्हें आसानी से चालू या बंद किए जा सकता है। साथ ही जरूरत के अनुसार उनकी शक्ति को घटाया या बढ़ाया जा सकता है।

प्रयोग कैसे हुआ

वैज्ञानिकों ने वास्तविक समय में रॉकेट इंजन को कंप्यूटर सिमुलेशन से जोड़ा और देखा कि विमान का किस गति से उतरना सुरक्षित है। इस प्रक्रिया को सॉफ्ट लैंडिंग (बगैर नुकसान के जहाज का जमीन पर उतरना) कहा जाता है। यह तकनीक चंद्रयान या मंगल मिशन में काम आएगी, जहां लैंडिंग प्रक्रिया बहुत नाजुक होती है।

इससे क्या फायदा होगा

1. **कोई रनवे नहीं चाहिए।** विमान पहाड़, जंगल या छोटे शहरों में भी उड़ान भर सकेंगे।
2. **तेज और सस्ता परिवहन:** हेलीकॉप्टर से तेज, हवाई जहाज से सस्ता।
3. **सेना के लिए खास:** दुश्मन इलाके में छिपकर उतरना आसान।
4. **ड्रोन और रोबोट:** माल ढोने, बचाव कार्य में मिलेगी मदद।
5. आने वाले समय में हर शहर में छोटे-छोटे हवाई अड्डे बन सकेंगे।

तकनीक हवाई यात्रा को पूरी तरह बदल देगी: प्रोफेसर पीए रामकृष्णा ने कहा कि यह तकनीक हवाई यात्रा को पूरी तरह बदल देगी। आने वाले समय में हर शहर में छोटे-छोटे हवाई अड्डे बन सकेंगे। मालूम हो कि वर्तमान में, वीटीओएल प्रणालियां बेहद जटिल हैं और इनके रखरखाव में काफी खर्च आता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 31 OCTOBER 2025

Akasa Air flight returns to B'luru

NEW DELHI: A Kochi-bound Akasa Air flight returned to Bengaluru due to a fuel imbalance issue, officials said on Thursday. "The Akasa Air flight performed an air turn back due to fuel imbalance. However there wasn't any technical issue with the aircraft," an official said. "The aircraft was immediately grounded for inspection," another official said. Fuel imbalance is an unequal amount of fuel in the tanks on either side of the aircraft causing uneven weight distribution, affecting an aircraft's stability.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 30 OCTOBER 2025

Air India CEO calls crash tragic, awaits final probe report

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Describing the crash of a Boeing 787 in June as "absolutely devastating," Air India chief executive officer (CEO) Campbell Wilson on Wednesday said the airline continues to support affected families and staff while cooperating with the ongoing investigation.

At an Aviation event in Delhi on Wednesday, he also acknowledged that the Tata Group airline has been facing a difficult year marked by airspace closures, supply-chain delays, and regional instability.

Airspace closures, including that of Pakistan after the Pehalgam terror attack in April and Operation Sindoor, India's subsequent military action against terrorist infrastructure in May, is expected to cost Air India around ₹4,000 crore in the current financial year as the airline has to use longer routes for its long haul and ultra long haul international operations, he said.

"This is the first public engagement we have done since that tragic day...It was absolutely devastating; for the people involved, their families, and our staff," Wilson said.

"We've been doing absolutely everything we can to support those affected; families, first responders, and staff. We have more than 600 people on the ground in Ahmedabad and have set up a trust with Tata that is providing extra share payments to all the families."

The Dreamliner crashed shortly after takeoff from Ahmedabad airport on June 12, leading to the death of 260 people. One passenger survived.

He said interim compensation had been completed and final payments were being processed.

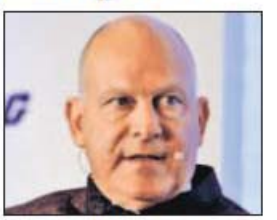

Campbell Wilson, CEO, Air India. REUTERS

"The commitment from both Air India and Tata is to do absolutely all we can, for as long as it takes, to bring closure to those affected," he said.

Wilson stressed that the investigation is government-led and independent of the airline. "The interim report indicated there was nothing wrong with the aircraft, the engines, or the operation of the airline. We, like everyone else, await the final report, and if there's anything to learn, we will absolutely make sure that we do," he said. Following the accident, Air India introduced a "safety pause," reducing international flying by about 15% for three months to carry out additional checks. "It has now progressively gone back to a more normal level," he said.

However, the airline chief said Air India is navigating one of its most challenging years, with multiple external disruptions affecting global aviation. "It's been reported that the airspace closures we face alone will be in the order of ₹4,000 crore. That's a big sum in anyone's book," Wilson said, referring to rerouting costs arising from conflict-related restrictions in South Asia, the Middle East and Europe. He added that supply-chain disruptions and workforce shortages have delayed aircraft deliveries and refurbishment timelines.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 30 OCTOBER 2025

जयपुर एयरपोर्ट पर फिर गड़बड़ाया शेड्यूल

एक फ्लाइट रद्द, आधा दर्जन से अधिक देरी से आईं-गईं

जयपुर@पत्रिका. जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का शेड्यूल प्रभावित होने का सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार को भी यात्रियों को देरी और रद्द उड़ानों की वजह से परेशानी झेलनी पड़ी। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस की रात 9:55 बजे बेंगलूरु से जयपुर आने वाली फ्लाइट का संचालन रद्द कर दिया गया। इसकी वजह ऑपरेशनल कारण बताई गई है। इसके अलावा, इंडिगो एयरलाइंस की रात 9:30 बजे कोलकाता से आने वाली फ्लाइट एक घंटे की देरी से जयपुर पहुंची। इसी तरह, नई दिल्ली से शाम 4:55 बजे आने वाली फ्लाइट पौने घंटे की देरी से पहुंची। इंडिगो की शाम 5:10 बजे बेंगलूरु से आने वाली, एयर इंडिया की शाम 6:10 और 6:20 बजे मुंबई से आने वाली, हैदराबाद से शाम पौने सात बजे और इंडिगो की रात 8 बजे की फ्लाइट भी आधा-आधा घंटे की देरी से जयपुर उतरीं। इधर, जयपुर से रवाना होने वाली फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा। इंडिगो की शाम 5:25 बजे चेन्नई, 5:30 बजे उदयपुर, 5:35 बजे देहरादून, 5:45 बजे बेंगलूरु और एयर इंडिया एक्सप्रेस की शाम 6:05 बजे गुवाहाटी जाने वाली फ्लाइट्स समेत कई अन्य उड़ानें भी आधे घंटे तक की देरी से रवाना हुईं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 30 OCTOBER 2025

अंतरराष्ट्रीय उड़ान से जुड़े अधिकारों पर सरकार का कदम सही

नई दिल्ली। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने बुधवार को सरकार की विमानन नीतियों का बचाव किया। एविएशन इंडिया और दक्षिण एशिया 2025 सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह छवि गलत है कि भारत विदेशी विमानन कंपनियों को द्विपक्षीय उड़ान का अधिकार नहीं दे रहा है। इंडिगो के पास 400 से अधिक विमान हैं और यह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। यह एअरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार कर रही है।

कुछ विदेशी कंपनियों ने उड़ान अधिकारों को लेकर जाहिर की चिंता

कुछ विदेशी विमानन कंपनियों खासकर खाड़ी देशों की एयरलाइनों ने भारत की ओर से द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों में वृद्धि न करने पर चिंता व्यक्त की है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है।

भारत के पास अपार संभावनाएं

इस पृष्ठभूमि में, एल्बर्स ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों के संबंध में सही कदम उठा रही है और इसके लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की अपार संभावनाएं हैं।

एल्बर्स ने कहा कि इंडिगो भारत में एक घरेलू ब्रांड है, लेकिन विदेशी ग्राहकों के लिए यह एक नया ब्रांड है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विस्तार और इसे एक वैश्विक एयरलाइन बनाने के प्रयासों का भी जिक्र किया। हाल के दिनों में इंडिगो ने लंदन, कोपेनहेगन, एम्स्टर्डम और मैनचेस्टर के लिए उड़ानें शुरू करके अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार किया है।

इसी कार्यक्रम में बोलते हुए अकासा एयर के सीईओ ने कहा कि एयरलाइन अगले दो से पांच साल में आईपीओ लाने पर विचार करेगी। दुबे ने कहा कि कंपनी का फोकस केवल तेज विस्तार पर नहीं, बल्कि टिकाऊ और मजबूत ग्रोथ पर है।

बता दें कि अगस्त 2022 में उड़ान शुरू करने वाली एयरलाइन के पास वर्तमान में 30 विमानों का बेड़ा है। अगस्त में, अकासा एयर ने कहा कि उसने प्रेमजी इन्वेस्ट और क्लेपॉन्ड कैपिटल सहित निवेशकों से धन जुटाया है, और निवेश का उपयोग मुख्य रूप से परिचालन का विस्तार करने के लिए किया जाएगा। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एयरलाइन की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 5.4 प्रतिशत रही।

डीईए की रिपोर्ट- ग्लोबल मैचिंग एंड हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड के सर्वे के अनुसार, कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण पीढ़ियों के अनुसार भिन्न है। जेन ज़ी 74 प्रतिशत और मिलेनियल्स 68 प्रतिशत के लिए रुचि और विकास खुशी का स्रोत हैं, जबकि जेन एक्स 54प्रतिशत और बूमर्स 76प्रतिशत स्थिरता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। सर्वे में शामिल इनडीड करियर एक्सपर्ट सौमित्रा आर. चंद ने कहा कि हर पीढ़ी अपने जीवन के चरण के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य को परिभाषित करती है। डीईए की रिपोर्ट के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य अब एक आर्थिक मुद्दा बन चुका है, जो उत्पादकता और विकास पर असर डालता है। अध्ययन वैल्यूवॉक्स की मदद से अगस्त 2025 में किया गया था, जिसमें 3,872 प्रतिभागी शामिल थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN KOLKATA 30 OCTOBER 2025

New IndiGo service connects Durgapur with Varanasi

DEBAJYOTI CHAKRABORTY
Andal, 29 October

IndiGo has launched a new direct flight connecting Durgapur with Varanasi, further expanding connectivity from Durgapur Airport (RDP), on Tuesday.

The inaugural flight witnessed an enthusiastic response from passengers across South Bengal and adjoining areas, said Kailash Mandal, Airport Director of Kazi Nazrul Islam Airport in Andal, Durgapur.

"This new route, which will operate three days a week — Tuesday, Thursday, and Saturday — marks another significant milestone in improving air connectivity from the catchment areas of the airport, including Asansol, Burdwan, Bankura, Birbhum, Bolpur, Durgapur, Dhanbad, and Raniganj. It offers greater convenience to pilgrims, students, and tourists alike, opening up new opportunities for trade, cultural exchange, and regional development between West Bengal and Uttar Pradesh," Mr Mandal added.

The Durgapur–Varanasi service reinforces IndiGo's commitment and Bengal Aerotropolis' promise to the people of the region to enhance regional accessibility with on-time and hassle-free travel across India, the flight operators said.

"We extend our heartfelt thanks to all for their continued support in promoting the growth and success of Durgapur Airport and regional connectivity initiatives," said V. K. Dhall, President of the South Bengal Federation of Commerce and Industries.

The airport was established in 2013 at a cost of ₹600 crore and is the only privately operated domestic commercial airport in the country, with Changi Airports of Singapore and the West Bengal Industrial Development Corporation as its major stakeholders.

This year, Kazi Nazrul Islam Airport in Andal has already recorded significant growth in passenger traffic — 26 per cent in January, 25 per cent in February, over 39 per cent in March, over 38 per cent in April, over 36 per cent in May, and over 20 per cent in June compared to last year, Mr Mandal said.

Before the introduction of the Durgapur–Varanasi flight services on Tuesday, daily flights operated to New Delhi, Hyderabad, Chennai, and Bengaluru; Bhubaneswar and Mumbai five days a week; Bagdogra four days a week; and Guwahati, while the New Delhi flight connects to Ahmedabad.

Chief Minister Mamata Banerjee has expressed her vision to convert Kazi Nazrul Islam Airport in Andal into an international airport and has already written to the Union Ministry of Civil Aviation seeking approval.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 30 OCTOBER 2025

Green aviation fuel shortage may push fares up: IATA

Manju.V@timesofindia.com

Hong Kong: The global aviation industry's decarbonization efforts are at risk due to a crippling shortage of sustainable aviation fuel (SAF) and carbon credits, compounded by weak policy support and poor investment incentives, said Dr Marie Owens Thomsen, chief economist and SVP Sustainability at International Air Transport Association (IATA), during its recently concluded World Sustainability Symposium.

From 2027, the UN's Carbon Offsetting and Reduction Scheme for International Aviation (CORSIA) enters its mandatory phase, requiring airlines in most countries — including India — to offset emissions exceeding 85% of their 2019 levels. But Owens Thomsen described the current situation as a "market failure of epic proportions," because SAF and carbon credits for the global airline industry are in "eye-watering short supply," falling far short of the demand. As airlines begin purchasing SAF-blended fuel to meet CORSIA and national mandates in 2027, international airfares could rise, with carriers potentially levying a SAF surcharge, similar to fuel surcharges applied when oil prices climb, she said.

Getty Images/moodboard RF

From 2027, airlines in most countries — including India — have to offset emissions exceeding 85% of their 2019 levels

Dr Thomsen attributed the low SAF production to fragmented national policies and lack of coordinated govt action, resulting in "fragmentation, higher costs and very little decarbonization." She said the technology exists, but "a fractured regulatory and financial landscape prevents it from getting out of the labs and into airplanes."

Low returns is another pain point. According to her assessment, currently SAF projects yield returns of only 0–5%. In comparison, oil exploration gives returns of 20% and renewables like wind and solar give 3-6 %, making the SAF investments unattractive. Govts continue to subsidise fossil fuels while providing minimal support for SAF, she said. "This is an energy transition issue, not an airline problem," she said.

She deemed the EU's current 2% and India's 1% SAF-blending 2027 target as poor policy tools in immature markets as these mandates end up pushing SAF prices further up. She said such mandates should be accompanied by R&D incentives to enable new producers to enter the market.

To meet the airline industry's 2050 net-zero-emissions target, IATA called for globally harmonised and risk-sharing mechanisms among govts, producers, and airlines. Owens Thomsen cited the US tax credit model for SAF producers. "If flying becomes unaffordable, that's a policy failure," she said. "There is a way, but policymakers must unlock it."

Poor coordination flagged

IATA warned of a "severe design flaw" in climate frameworks, citing poor coordination between the UN's aviation body ICAO and UNFCCC. *(The reporter was in Hong Kong on IATA invitation)*

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 30 OCTOBER 2025

June crash 'heartbreaking', no tech fault, says Air India CEO

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, OCTOBER 29

Air India CEO Campbell Wilson on Wednesday described the June plane crash that killed 260 people as a "heartbreaking tragedy".

He said the airline had been doing everything possible to stand by the victims' families and its own staff shaken by the disaster. Speaking at the Aviation India and South Asia 2025 conference in New Delhi, his first public appearance in India since the accident, Wilson said the interim probe had ruled out any technical or operational fault in the aircraft or its engines.

Campbell Wilson

"The incident was beyond devastating, for the passengers, their loved ones, and everyone at Air India. Since that day, our focus has been on helping the affected families, supporting our people on the ground and doing everything we can to ease their pain," said Wilson.

The June 12 crash, one of the deadliest air disasters in India, involved a Boeing 787-8 Dreamliner operating as flight AI171 from Ahmedabad to London Gatwick. The plane went down shortly after take-off, killing 241 passengers and 19 crew members.

Wilson said interim compensation for the victims and their families had been completed and the airline was now finalising the next phase.